-

KCP SIDDHARTHA ADARSH RESIDENTIAL PUBLIC SCHOOL

Kanuru, Vijayawada – 520 007

FORMATIVE ASSESSMENT – I (PAPER PEN TEST) 2014-15

Class : X | Marks : 30

Sub : Hindi | Time : 1 Hr.

I. **निम्न लिरिवत गधांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिरिवए ।**

मै अत्यंत विनम्रता से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि मनुष्य को वही होनेदे, जो कि होने को वह पैदा हुआ है । गुलाब - गुलाब है चमेली चमेली और जुही जुही । और कोई किसी से छोटा नही है । गुलाब को चमेली नही होनाहै और चमेली को जुही नही होना है । यह छोटे बडे और ऊँच नीच का मूल्यांकन एकदम झूठा और बेहुदा है । इस मूल्यांकन को नष्ट करें । कविचमार से बडा नही है और न राजनेता ही किसी से बडा नही है । एक अध्यापक राष्ट्रपति होने से बड़ा नही हो जाता है । जीवन एक सहयोगहै । उसमे सबका अपना अपना स्थान है और सबकी आवश्यकता, अनिवार्यता है । कार्यों के साथ पद और प्रतिष्ठा जोडने से सारी दुनिय जिस महत्वा काक्षा की विक्षिप्तता में पड गई है, क्या आपको दिरवाई नही पडरही है?

प्रश्न:- 5 x 1 = 5M

1. **इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।**
2. **लेरवक गुलाब, चमेली और जुही के माध्यम से कहना चाहता है ।**
3. **जीवन एक सहयोग है - सिद्ध कीजिए ।**
4. **महत्वाकाक्षा को विक्षिप्तता कयों कहा गया है?**
5. **मै अत्यंत विन्म्रता से यह निवेदन करता हूै**
   (रेरवाकित किए गए पद का परिचय दीजिए)

II. **तुम्हारे मित्र ने तुम्हारे धर शादी में आकर रवूब काम किया - इसके प्रति प्रकट करते हुय मित्र को पत्र लिरिवए ।** 5M

III. **व्याकरण:-**

(क) शब्द कब पद बनता है? 1M

(रव) विशेषण पदबंध का एक उदाहरण लिरिवए । 1M

(ग) रेखांकित पदों का परिचय दीजिए ।

(1) <u>वह</u> प्रातः काल भ्रमण के लिए जाता है । 1M

(2) <u>अभी अभी</u> आपका पत्र मिला । 1M

(घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति मुहावरे से कीजिए । 1M

(ग) सामने गर्म गर्म जलेबी देखकर

मेरे ____________________

IV. **प्रश्न :-** 3 x 3 = 9M

1. बडे भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?
2. पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस मे क्या अंतर था?
3. ईश्वर कण कण में व्याप्त है, पर हम उसे क्यों नही देख पाते?

V. **प्रश्न छोटे :-** 3 x 2 = 6M

1. मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप सैंदर्य का वर्णन कैसे किया है?
2. ततॉश - वामिरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?
3. बडे भाई को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थी?

* * * *